पत्रसूचनाकार्यालय
भारतसरकार
गृहमंत्रालय

केंद्रीयगृह मंत्री श्री अमित शाह ने 'अटल टनल' के उद्घाटन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त कियाऔरइसेइंजीनियरिंगकाएकचमत्कारबताया

"आजकादिनपूरेदेशकेलिएऐतिहासिकहै, क्योंकिआजभारतरत्नअटलबिहारीवाजपेयीजीकास्वप्नमोदीसरकारनेपूराकियाहै"

"दुनिया की सबसेलंबीहाइवेसुरंग'अटलटनल'सेलेहऔरमनालीकेबीचकी यात्राकासमय4-5घंटेकमहोजाएगा। यह एक ऑलवेदरटनलहै जिससे लाहौल स्पीतिअबपूरेसालदेशकेबाकीहिस्सोंसेजुड़ारहेगा"

"अटल टनल पूरे क्षेत्र के लिए एक बहुत बड़ा वरदान साबित होगी,जिससे अब लोंगो की बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं, व्यापार अवसरों तथा आवश्यक वस्तुओं तक सुगम पहुँच होगी"

"अटल टनल से देशकीरक्षाक्षमताओंकोबलमिलेगाऔर पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलने से रोज़गार के अवसर भी उत्पन्नहोंगे"

नईदिल्ली, 03.10.2020

केंद्रीयगृहमंत्रीश्रीअमितशाहने 'अटलटनल'केउद्घाटनकेलिएप्रधानमंत्रीश्रीनरेंद्रमोदीकाआभारव्यक्तकियाऔरइसेइंजीनियरिंग काएकचमत्कारबताया।अपने ट्वीट में श्री शाह ने कहा कि " आजकादिनपूरेदेशके लिए ऐतिहासिक है, क्योंकि आज भारतरत्नअटलबिहारीवाजपेयीजीकास्वप्न मोदी सरकार ने पूरा कियाहै। सीमा सड़क संगठन(बीआरओ) को इस अभूतपूर्व परियोजना परनिरंतरकामकरइसेपूर्ण करने परबधाई"।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि "दुनियाकीसबसेलंबीहाइवेसुरंग'अटलटनल'सेलेहऔरमनालीकेबीचकी यात्राकासमय 4-5घंटेकमहोजाएगा। यह एक ऑलवेदरटनल है जिससे लाहौल - स्पीतिअबपूरेसालदेशकेबाकीहिस्सोंसेजुड़ारहेगा।पहले यह हिस्सा कई महीनोंतक देश के अन्य क्षेत्रों से कटारहताथा"।

श्री अमित शाह ने यह भी कहा कि "अटल टनल पूरे क्षेत्र के लिए एक बहुत बड़ा वरदान साबित होगी, जिससे अब लोंगो की बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं, व्यापार अवसरों तथा आवश्यक

वस्तुओं तक सुगम पहुँच
होगी।अटलटनलसेदेशकीरक्षाक्षमताओंकोबलमिलेगाऔरपर्यटनक्षेत्रकोबढ़ावामिलनेसेरोज़गार केअवसरभीउत्पन्नहोंगे”।

अटल टनल 9.02 किलोमीटर लंबी है। यह टनलहिमालय की पीर पंजाल श्रृंखला में औसत समुद्र तल (एमएसएल) से 3000 मीटर (10,000 फीट) की ऊंचाई पर अति-आधुनिक विनिर्देशों के साथ बनाई गई है।अटल टनल को अधिकतम 80 किलोमीटर प्रति घंटे की गति के साथ प्रतिदिन 3000 कारों और 1500 ट्रकों के यातायात घनत्वघ के लिए डिजाइन किया गया है।यहटनल सेमी ट्रांसवर्स वेंटिलेशन सिस्टम ,एससीएडीएनियंत्रित अग्निशमन, रोशनी और निगरानी प्रणाली सहित अति-आधुनिक इलेक्ट्रो□-मैकेनिकल प्रणाली से युक्तल है।

रोहतांगदर्रेकेनीचेएकरणनीतिकटनलकानिर्माणकरनेकाऐतिहासिकनिर्णय3 जून,2000 कोलियागयाथाजबस्वर्गीयश्रीअटलबिहारीवाजपेयीप्रधानमंत्रीथे।टनलकेदक्षिणपोर्टलकीपहुंच रोड़कीआधारशिला26 मई, 2002 रखीगईथी।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व। में केंद्रीय मंत्रिमंडलकी 24 दिसम्बरर 2019 को हुई बैठकमें पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा दिए गए योगदान को सम्मा2न प्रदान करने के लिए रोहतांग टनल का नाम अटल टनल रखने का निर्णय लिया गया था।

https://twitter.com/AmitShah/status/1312330009202192385?s=20

https://twitter.com/AmitShah/status/1312330143801647104?s=20

https://twitter.com/AmitShah/status/1312330464355471362?s=20

***

एनडब्लू/आरके/पीके/डीडीडी